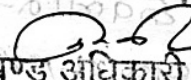


कृषार्थीगण को मींग-उपभोग से  
 पूर्ण विधिवत है। उभय पक्ष ने यह  
 भी स्वीकार किया है कि मींग पर  
 पञ्चवारान ने बंद पाए गए हैं  
 तथा बाधित हैं। कृषार्थीगण अपनी  
 प्रतिद्वंदी सुझाव हक-हिससे की भूमि  
 का अपनी सुविधा से हस्तान्तरण  
 करते हैं तो इससे पार्थी को किसी  
 प्रकार की हानि होने की संभावना  
 प्रतीत नहीं होती है। मात्र संयुक्त  
 प्रतिद्वंदी के हार्ड में पार्थी कृषार्थी  
 सह-प्रतिद्वंदी कृषार्थीगण को उनकी  
 हक-हिससे की भूमि से मींग-उपभोग  
 से वंचित नहीं कर सकना। उपर्युक्त  
 विवेचन किन्तुला प्रथम दुष्टया मामला,  
 सुविधा का संतुलन एवं किपूराय  
 प्रति पार्थी के पक्ष में प्रतीत नहीं  
 होती है। किन्तु पार्थी का प्राथमिक  
 212 RTI के स्वीकार किया जाकर  
 खोज किया जा रहा है। दिनांक 21.1.25  
 को जारी किन्तुला किस्साई निषेधाज्ञा  
 कपाल में जारी है। पत्रावली फंसल  
 सुधार के तहत दाखिल एम्प्लर है। किस्सा  
 सुनाया गया।

  
 उपखण्ड अधिकारी रियांबड़ी  
 जिला - नागौर